

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०

गुणों के धनी व्यक्ति थे प्रो. कापसे : राम नाईक

लखनऊ: 29 सितम्बर 2015

"राजनीति में अपने नजदीक का सहयोगी अभिन्न मित्र बने ऐसा कदाचित ही होता है। भाजपा के नेता प्रो. राम कापसे के रूप में पिछले चार दशकों से यह सौभाग्य मुझे प्राप्त था। पहले विधानसभा में और उसके बाद लोकसभा कामकाज के संदर्भ में विरोधी और पत्रकार दोनों ही हमारा उल्लेख संयुक्त रूप से दो रामों की जोड़ी कहकर करते थे। मेरा इतना अद्वैत मित्र आज अनंत में विलीन हो गया है", इन शब्दों में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने अपनी शोक संवेदनाओं को व्यक्त किया।

राज्यपाल ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा "1978 में हम दोनों ही पहली बार विधायक बनें। तब से जुड़े हुए मन के तार आज निःशब्द हो गये हैं। पहले विधानसभा में तदुपरान्त लोकसभा में हमने सदैव ही एक दूसरे के लिए पूरक और पोषक के रूप में काम किया। यही कारण है कि मुंबई उपनगरी रेल्वे के संदर्भ में हम दोनों को मिलकर काफी काम करते बना। अंदमान के उप राज्यपाल के रूप में सुनामी के बाद अंदमान का जनजीवन पटरी पर लाने के लिए रामभाऊ ने किया हुआ काम चिरस्मरणीय और अचंभित करने वाला है। प्रभावी वक्ता और रामभाऊ जैसा निश्छल वृत्ति का राजनेता अब फिर महाराष्ट्र में नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों से बीमारी के कारण उनकी सामाजिक गतिविधियाँ नहीं थी। परंतु उनका केवल होना ही मेरे जैसे के लिए एक बड़ा संबल था। भारतीय जनता पार्टी के लिए उनके द्वारा किए गए त्याग की कोई तुलना नहीं है। राज्यपाल बनने के बाद कल्याण जाकर मैंने उनसे भेंट की थी। हमारी वह मुलाकात अंतिम सिद्ध हुई। कापसे परिवार के इस दुःख में मैं सहभागी हूँ।"
